भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
05.04.2023 के
अतारांकित प्रश्न सं. 5322 का उत्तर

हाइपरलूप प्रौद्योगिकी

5322. डॉ. एम.पी. अब्दुस्समद समदानी:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार के पास भारत में हाइपरलूप प्रौद्योगिकी को अपनाने के लिए कोई प्रौद्योगिकीय और व्यवहार्यता रिपोर्ट है;

(ख) यदि हां, तो इस रिपोर्ट में की गई सिफारिशों और निष्कर्षों का ब्यौरा क्या है; और

(ग) भारत में हाइपरलूप प्रौद्योगिकी को अपनाने और कार्यान्वित करने के लिए सरकार द्वारा क्या रूपरेखा और योजनाएं तैयार की गई हैं?

उत्तर

रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क): जी नहीं।

(ख): प्रश्न नही उठता।

(ग): हाइपरलूप एक उभरती हुई तकनीक है और विकास के प्रारंभिक चरण में है। हाइपरलूप के तकनीकी और सुरक्षा मानकों को अभी विश्व स्तर पर तैयार किया जाना है। एक पहल के रूप में, अनुसंधान अभिकल्प और मानक संगठन (आरडीएसओ), रेल मंत्रालय की एक इकाई ने इस तकनीक के सत्यापन के लिए आईआईटी/मद्रास में फ्यूचरिस्टिक फुल स्केल हाइपरलूप के पॉड, परीक्षण रेलपथ और वैक्यूम ट्यूब सुविधा वाले सब-स्केल मॉडल को विकसित करने के उद्देश्य से हाइपरलूप प्रौद्योगिकी के लिए उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने हेतु 22/09/22 को आईआईटी/मद्रास के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

****

s.k